पोस्टमैन पैट का बारिश वाला दिन

जॉन कुनलिफ, चित्र: जोन हिक्सन

हिंदी: प्रमोद कुमार मेहता

पोस्टमैन पैट का बारिश वाला दिन

जॉन कुनलिफ
चित्र: जोन हिक्सन
हिंदी: प्रमोद कुमार मेहता

दिन बहुत गीला था। बहुत गीला दिन। पैट ने कहा, "ओह, फिर से बारिश! आज मुझे अपने बारिश वाले जूते पहनने होंगे।"

जेस आग के पास बैठी थी -

उसे बारिश पसंद नहीं थी।

"चलो," पैट ने कहा। "हमें बहुत पत्र बांटने हैं। तुम बारिश की परवाह मत करो।"

पैट ने अपने बारिश के जूते पहने।

फिर उसने अपना रेनकोट पहना।

उसने जेस को उठाया।

जेस अभी भी जाना नहीं चाहती थी।

पैट ने कहा, "चलो, जेस। तुम मेरे कोट में छिप सकती हो। वो गर्म और सूखा है।"

पैट ने जेस को अपने कोट के अंदर छिपा लिया।

जेस ने बारिश को देखा, लेकिन उसे वो बिल्कुल पसंद नहीं आई।

पैट अपनी वैन की ओर दौड़ा। उसने वैन में जेस के लिए एक टोकरी रखी थी।

वह उस टोकरी के पास गयी
और अपनी आँखें बंद कर लीं। वह
बारिश नहीं देखना चाहती थी।

पैट घाटी में अपनी वैन चला रहा था।

बहुत बारिश हो रही थी और बहुत कीचड़ था।

छप-छप, छप-छप करती वैन आगे चली।

पैट ने सैम को देखा।

'हैलो, सैम! कितनी बारिश का दिन है!'

सैम ने कहा, "हैलो, पैट। मुझे तुम्हारी नई वैन बहुत पसंद आई, यह बहुत स्मार्ट है। जेस कैसी है?"

पैट ने कहा, "जेस अपनी टोकरी में बैठी है। उसे बारिश पसंद नहीं है। मुझे लगता है कि वह सो रही है।"

सैम ने कहा, "मुझे भी बारिश से नफ़रत है। देखो, इसलिए बिल्ली होना अच्छा ही होगा।"

पैट ने कहा, "सैम, यह तुम्हारे लिए एक पत्र है। उम्मीद है कि यह कुछ अच्छा होगा। फिर मिलेंगे! नमस्ते!"

फिर पैट बाकी चिट्ठियाँ बांटने के काम में लगा रहा।

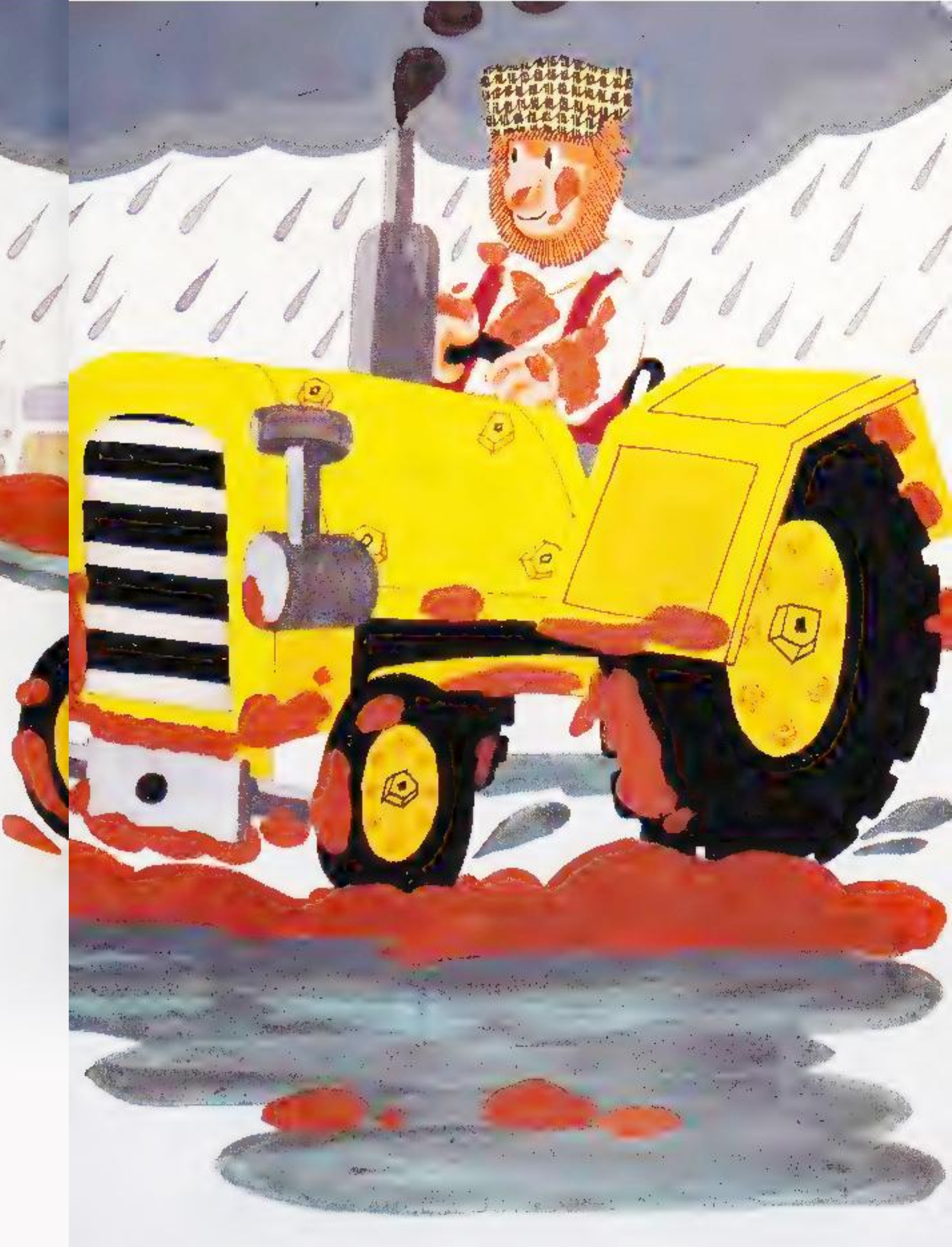

तभी उसने पीटर फॉग को देखा।

पीटर अपने ट्रैक्टर पर था। ट्रैक्टर पूरा कीचड़ से सना हुआ था, और पीटर भी। उसकी पैंट पर कीचड़ था, कमीज़ पर कीचड़ था, और उसके पूरे चेहरे पर कीचड़ था।

पैट ने कहा, "तुम क्या कर रहे थे?"

पीटर ने कहा, "बारिश हो रही है। मैं कीचड़ में गिर गया था। अब मैं गर्म पानी से नहाने के लिए घर जा रहा हूँ।"

पैट ने कहा, "यह एक अच्छा विचार है। लेकिन जाने से पहले, तुम्हारे लिए एक पत्र है। पत्र तुम्हारी गर्लफ्रेंड का है। उससे तुम्हें खुशी होगी।"

"वाह!" पीटर ने कहा। "ओह, यह बारिश! मैं इससे बिल्कुल तंग आ गया हूँ। नमस्ते!"

पैट अपने काम पर फिर निकल पड़ा।

उसके पास दादी ड्राइडन के लिए एक पत्र था। वह उनके घर गया।

“नमस्ते, दादी ड्राइडन। आज आपके लिए एक पत्र है।”

दादी ड्राइडन ने कहा, "बहुत सुंदर। मुझे पत्र पाकर बहुत खुशी होती है।"

उन्होंने पत्र खोला, उसे जल्दी से पढ़ा, फिर उन्होंने खिड़की से बाहर देखा।

"ज़रा मेरे धुले कपड़ों को तो देखो!" दादी ने कहा। "मैंने उन्हें सूखने के लिए बाहर डाला था और अब देखो, वे सब-के-सब गीले हो गए हैं।"

पैट ने दादी ड्राइडन को कपड़े अंदर लाने में मदद की।

उन्होंने कपड़ों को आग के पास सुखाने के लिए रख दिया।

दादी ड्राइडन ने कहा, "क्या तुम जाने से पहले एक कप चाय लोगे? और अगर जेस तुम्हारे साथ है, तो शायद उसे थोड़ा दूध भी चाहिए होगा।"

पैट ने कहा, "बहुत बढ़िया। जरूर।“

पैट अपने रास्ते आगे बढ़ा।

वह थॉम्पसन ग्राउंड गया।

उसके पास अल्फ़ के लिए एक पत्र,

और दो पत्र डोरोथी के लिए थे।

बारिश ने खेत में एक तालाब बना दिया था,
और उसमें बत्तखें तैर रही थीं।

जेस ने बत्तखों को देखकर मुँह बनाया।

पैट ने कहा, "तुम्हारी बत्तखों को बारिश पसंद है।
काश मुझे भी पसंद आती।"

अल्फ मुस्कुराया। उसने कहा, "जेस को देखो।"

उसे लगता है कि मेरी बत्तखें पागल हो गई हैं, बारिश में खेल रही हैं। चलो, जेस! क्या तुम तैरने के लिए बाहर आओगी?"

लेकिन जेस बाहर नहीं आयी।

उसे पानी पसंद नहीं था।

वह अपनी टोकरी में वापस बैठ गयी और सो गयी।

"नमस्ते!" पैट ने कहा। फिर पैट आगे बढ़ा।

पैट ने टेड को फ़ोन किया। उसके पास उसके लिए एक पार्सल था।

"अच्छा," टेड ने कहा। “ये दादी ड्राइडन की घड़ी के पुर्ज़े होंगे। अब मैं उसे ठीक कर सकता हूँ।”

पैट ने कहा, "तुम्हें यह बारिश कैसी लग रही है?"

टेड ने कहा, “मुझे बारिश से कोई परेशानी नहीं है। देखो मेरे पास बहुत सारे काम हैं। मैं बहुत व्यस्त हूँ इसलिए मैं बारिश की कोई परवाह नहीं करता।”

पैट ने कहा, “क्या तुम्हें मेरी नई वैन पसंद आई?”

"बहुत अच्छी है," टेड ने कहा, "लेकिन यह पूरी तरह कीचड़ से सनी है। जरा रुको। मैं अपना पाइप लेकर आता हूँ और उसे धो देता हूँ।"

पैट ने कहा, "तुम्हारा पाइप? इतनी बारिश में?"

"हाँ," टेड ने कहा। "कोई बात नहीं। जरा रुको!"

टेड ने अपना पाईप निकाला और पैट की वैन धो डाली। उसने सारी कीचड़ धो दी।

"शुक्रिया," पैट ने कहा। "अब यह फिर से नई लग रही है। बहुत-बहुत शुक्रिया।"

"कोई बात नहीं," टेड ने कहा।

"नमस्ते!" पैट ने कहा।

पैट फिर अपने काम के लिए रास्ते पर चल पडा ।

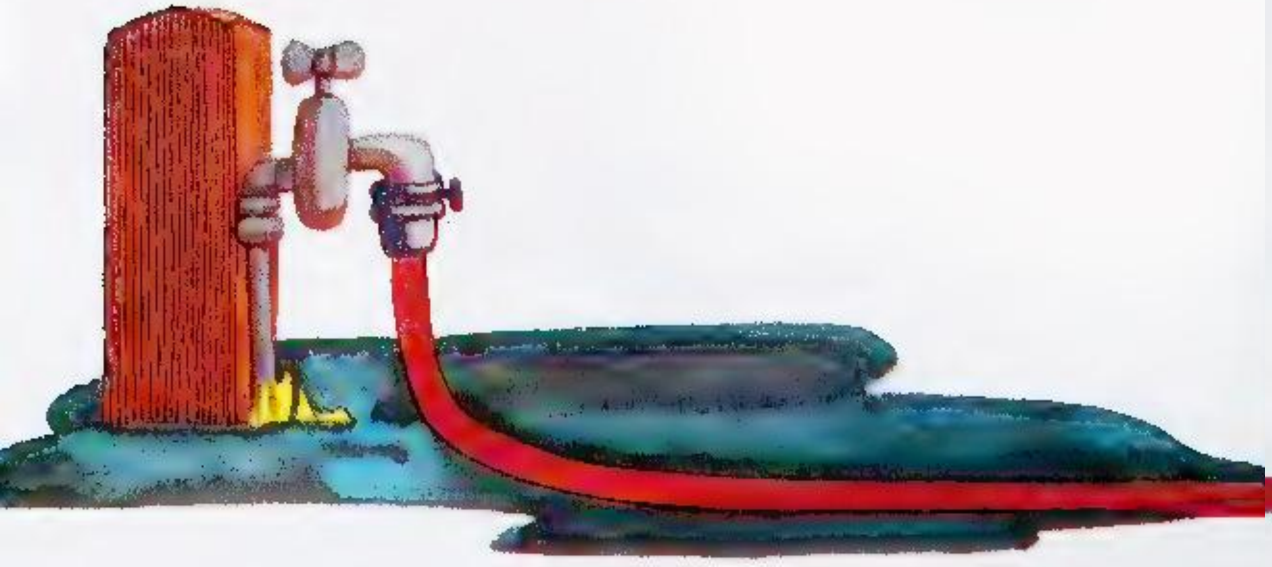

पैट ने कहा, “अब घर जाने का समय हो गया है, जेस। अब चाय का समय हो गया है।"

जेस खुश हुई।

"बारिश रुक गई है," पैट ने कहा।

बारिश रुक गई थी! फिर से सब ठीक हो गया था।

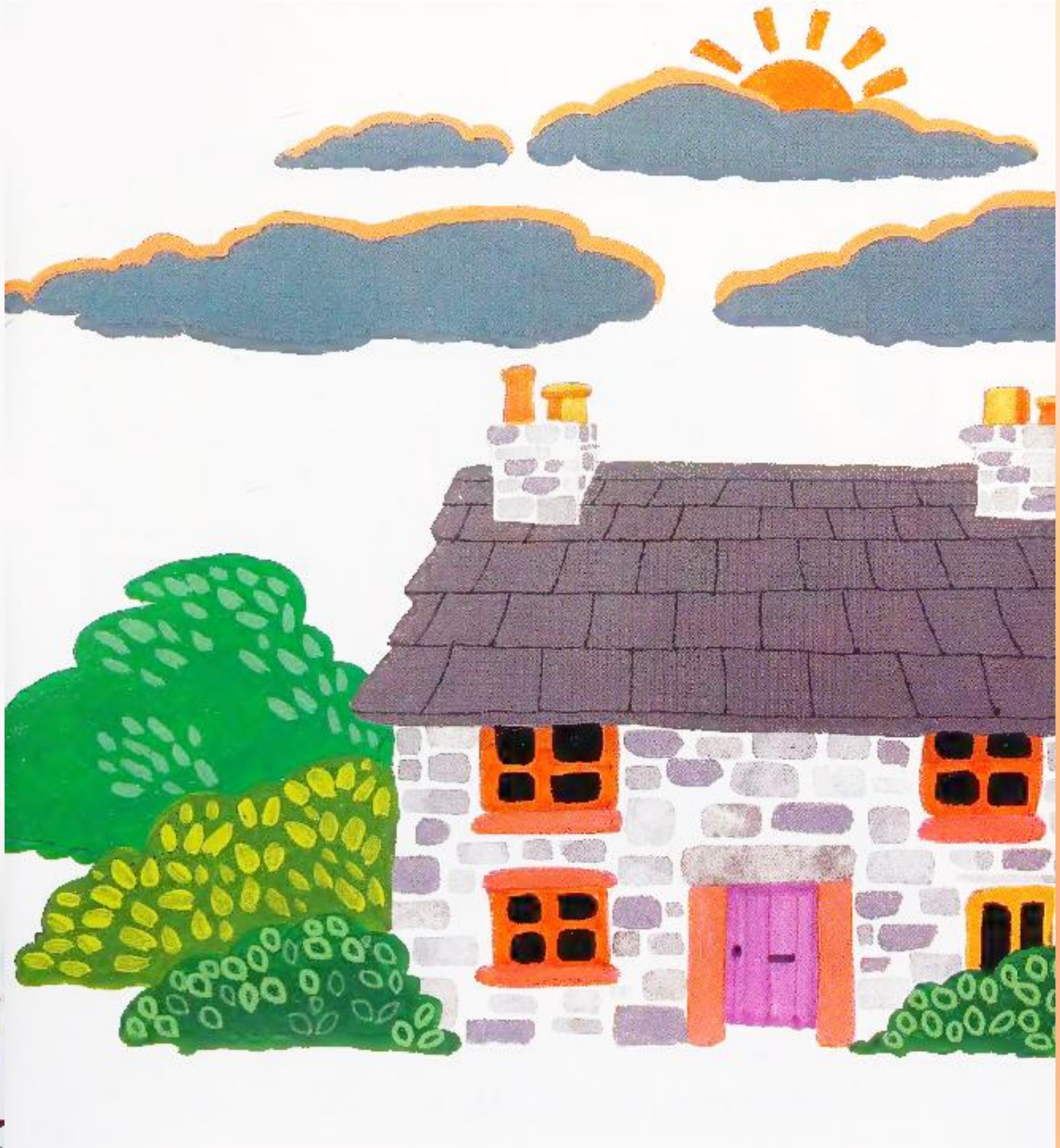

जेस वैन से कूद गयी। वह गड्ढों से होते हुए घर में भागी।

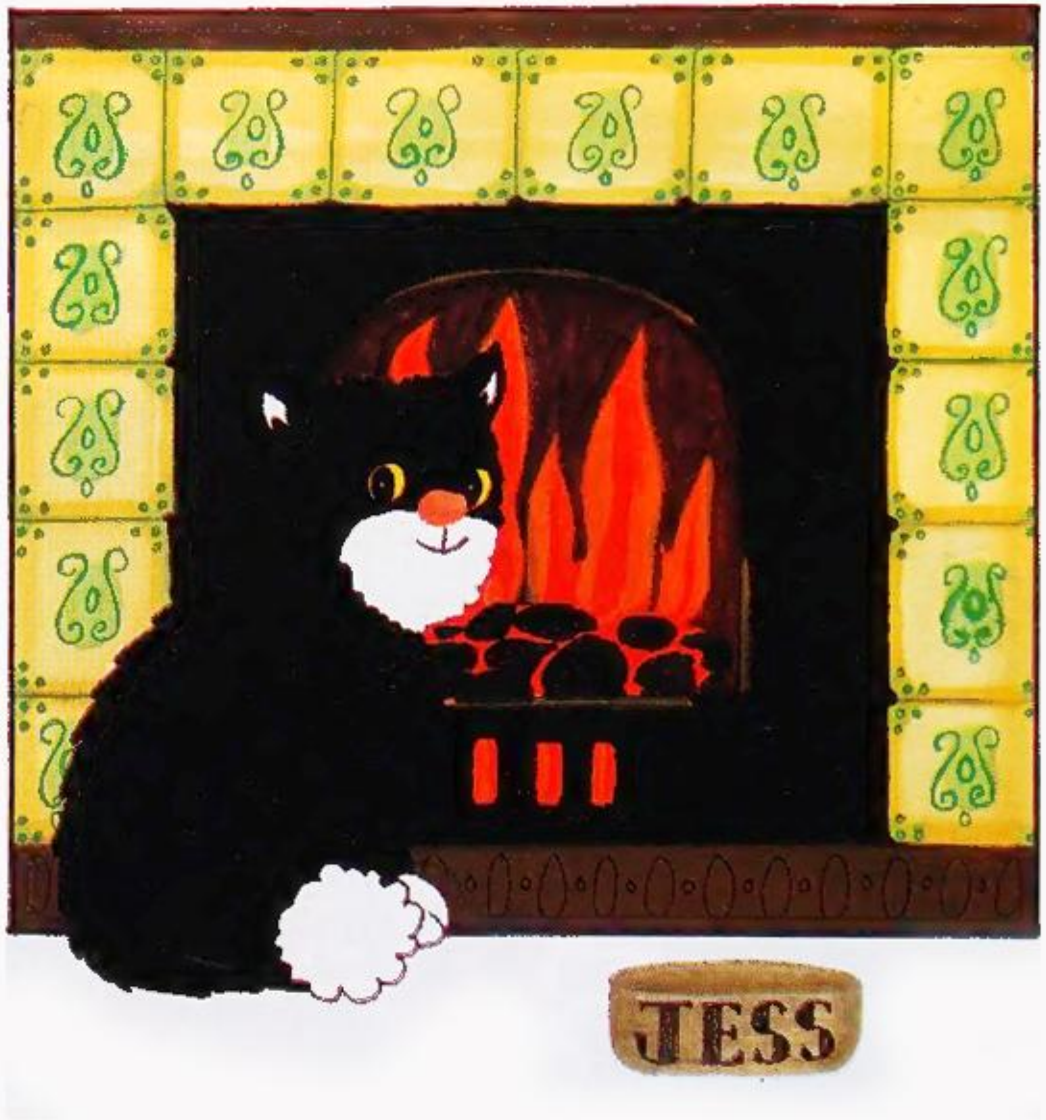

वह आग के पास बैठी। वह नहाई और उसने मछली खाई। उसे घर आकर बहुत अच्छा लग रहा था।

बहुत गीला दिन था। "ओह, फिर से बारिश," पैट ने कहा। "मुझे अपने बारिश वाले जूते पहनने होंगे।" जेस आग के पास बैठी थी — उसे बारिश पसंद नहीं थी। "चलो" पैट ने कहा। "हमें बहुत सारी चिट्ठियाँ बाँटनी हैं बारिश की परवाह मत करो।"